प्रश्न संख्या	मुख्य परीक्षा म.प्र. राज्य लोकसेवा आयोग	हाशिए में न लिखे
1 A	इंडियन एसोसिएशन ↳ 1876 ई. में आनंदमोहन बोस, सुरेन्द्रनाथ बनर्जी द्वारा गठित एक संस्था	
1 B	चार्ल्स मेटकॉल्फ	
1 C	महादेव देसाई ↳ स्वतंत्रता सेनानी ↳ कांग्रेस के उदारवादी नेता	
1 d	नीनो-डी-कुन्हा ↳ फ्रांसीसी गर्वनर भारत में। ↳ गोवा को मुख्यालय बनाया	
1 E	एनफील्ड राइफल ↳ 1857 क्रांति का तात्कालिक कारण सही थी। ↳ इसके कारतूस गाय और सुअर की चर्बी से बने होते थे।	
	~~मार्ल~~	

Scanned with CamScanner

हाशिए में न लिखे

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोकसेवा आयोग

हाशिए में न लिखे

1 F

मलिक काफूर
↳ हजार दीनारी,
↳ अलाउद्दीन खिलजी का सेनापति
↳ अलाउद्दीन की दक्षिण विजय का श्रेय इसीको जाता है।

1 H

नाजी पार्टी
↳ हिटलर द्वारा गठित
↳ जरमनी में द्वितीय विश्व के समय गठित।
↳ इसके सदस्य पूर्णतः आज्ञाकारी और अनुशासित होते थे।

1 I

तालीकोटा का युद्ध
↳ विजयनगर साम्राज्य का पतन हुआ।
↳ दक्षिण भारत के विजयनगर में लड़ा गया युद्ध

1 J

जैन-उल-आबिदिन
↳ इसे कश्मीर का अकबर भी कहते हैं।
↳ उदारवादी, सहिष्णु, जनता का हित चाहने वाला शासक

1 K

आल्हा ऊदल
↳ कालिंजर के सेनापति
↳

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या	मुख्य परीक्षा म.प्र. राज्य लोकसेवा आयोग	हाशिए में न लिखें
1 L		
	प्रतिहार नरेश राज्यपाल	
	↳ म०प्र के प्रतिहार वंश के शासक।	
1 M		
	सूर्य सेन	
	↳ ग्वालियर के राजा	
	↳ इन्होने ग्वालियर के किले का निर्माण कराया जिसे किलो का रत्न कहते है।	
1 N		
	बिल ऑफ राइट्स, 1689	
	↳ इंग्लैंड की क्रांतिकाल से से संबंधित	
	↳ इसके तहत संसद की संप्रभुता स्वीकारी गई	
	↳ तथा राजा की सर्वोच्च सत्ता समाप्त की गई।	
1 O	जार निकोलस द्वितीय	
	↳ रूस का अन्तिम जार शासक	
	↳ एक जार, एक चर्च और एक रूस का नारा जार निकोलस द्वितीय ने दिया था।	
	↳ उल्लेखनीय है की रूस के शासक को जार कहा जाता है।	

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या	मुख्य परीक्षा म.प्र. राज्य लोकसेवा आयोग	हाशिए में न लिखे
2 A	देश का नवयुवक वर्ग कांग्रेस की नीतियों से उद्वेलित था, जिससे राष्ट्रीय आंदोलन में क्रांति का उदय हुआ।	
	↳ यूरोपियों की पहली हत्या प्लेग समिति के प्रधान रैंड तथा लैफ्टिनेंट एयर्स्ट की हत्या चापेकर बंधुओं ने कर दी थी।	
	↳ वीरेन्द्र कुमार घोष ने अपनी पुस्तक भवानी मंदिर में क्रांतिकारी कार्यों की विस्तृत जानकारी दी।	
	↳ रास बिहारी बोस द्वारा वायसराय हर्डिंग बम फेंका गया।	
	↳ चंद्रशेखर आजाद ने हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन की स्थापना की क्रांतिकारियों ने काकोरी जाने वाली ट्रेन को लूटा।	
	↳ भगत सिंह ने सांडर्स की हत्या की तथा बटुकेश्वर दत्त के साथ मिलकर सेन्ट्रल असेम्बली पर बम फेंका क्रांतिकारियो ने राष्ट्रीय आंदोलन को आक्रामकता एव देशवासियों को बलिदान की प्रेरणा प्रदान की जिससे देश 1947 में स्वतंत्र हो सका।	

Scanned with CamScanner

हाशिए में न लिखें

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोकसेवा आयोग

हाशिए में न लिखें

2 B

सन 1942 ई का आंदोलन स्वाधीनता प्राप्ति की दिशा में महान कदम था। जिसका महत्व निम्नलिखित है –

① भारत में राजनीतिक जागृति –
↳ जनता में जागृति उत्पन्न हुई तथा ब्रिटिश शासन से मुकाबला करने की भावना का विकास हुआ।

② क्रांतिकारी गतिविधियों को प्रोत्साहन –
↳ सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज का गठन किया तथा ब्रिटिश शासन से डटकर सामना किया।

③ साम्यवादी तथा मुस्लिम लीग का विश्वासघात
↳ दोनों दलों की राष्ट्र विरोधी कार्यों से भारतवासियों में तीव्र असंतोष उत्पन्न हुआ।

④ विदेशियों में भारतीयों के प्रति सहानुभूति का सार
↳ चीन, अमेरिका ने भारत की पूर्ण स्वतंत्रता की मांग को समर्थन दिया।

इस आंदोलन का सबसे बड़ा परिणाम यह हुआ कि मुस्लिम लीग तथा अंग्रेजों में गठबंधन विवाह हो गया

Scanned with CamScanner

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोकसेवा आयोग

हाशिए में न लिखे

प्रश्न संख्या 2(c)

लार्ड कैनिंग के शासनकाल में 1857 का विद्रोह हुआ। जिसके प्रमुख कारणों में सैनिक विद्रोह निम्नलिखित है -

↳ भारतीय सैनिकों में असंतोष
✓ भारतीय तथा अंग्रेज सैनिको मे भेदभाव किया जाता था। भारतीय सैनिकों को अत्याधिक कम वेतन तथा भत्ते दिये जाते थे।

↳ भारतीय सैनिक की संख्या अधिक होना -
✓ भारतीय तथा अंग्रेज सैनिक के मध्य अनुपात 6:1 था।

↳ प्रथम आंग्ल-अफगान युद्ध में अंग्रेजों की पराजय ने यह सिद्ध कर दिया की अंग्रेज अजय नहीं है। तथा भारतीयों को संगठित होकर विद्रोह करना चाहिये।

↳ धार्मिक रीतिरिवाजों में हस्तक्षेप करना
↳ सामान्य सेवा भर्ती अधिनियम
↳ अवध का विलीनीकरण
↳ भारतीय सैनिकों को पर्याप्त सुविधाएं न देना

1857 के विद्रोह का प्रभाव समाज तथा प्रशासन दोनो ही क्षेत्रों मे पड़ा था।

Scanned with CamScanner

हाशिए में न लिखे

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोकसेवा आयोग

हाशिए में न लिखे

2 D

चंद्रगुप्त मौर्य की गणना भारत के महानतम् शासकों में की जाती है। उसे भारत के प्रथम राष्ट्रीय सम्राट होने का गौरव प्राप्त है। इसकी उपलब्धियाँ निम्नलिखित हैं -

- उसने विशाल एवं विस्तृत साम्राज्य की स्थापना की जिसका विस्तार हिन्दुकुश से लेकर बंगाल तक तथा हिमालय से लेकर कर्नाटक था।
- उसने सेल्यूकस निकेटर की शक्ति को क्षीण कर स्वयं को उत्तर भारत का निर्विवाद सम्राट बनाया।
- उसने अरियाना प्रदेश के बहुत बड़े भाग पर भी अधिकार कर लिया था।
- उसने सर्वप्रथम एक अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवा का गठन किया।

ये सभी उपलब्धियां उसे इतिहास के महानतम् और सफल शासक के बीच स्थान देती हैं।

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या	मुख्य परीक्षा म.प्र. राज्य लोकसेवा आयोग	हाशिए में न लिखें

2 E

चैनसिंह ~~की~~ राजा की कथ क्या बड़ाई,
फिरंगियों की भुला दी रे लड़ाई,

↳ कंपनी सरकार ने 1818 में सीहोर में सैनिक छावनी स्थापित की तथा पॉलीटिकल एजेंट मिस्टर मैडाक को बनाया।

↳ नरसिंहगढ़ रियासत के आनंदराम बख्शी तथा मंत्री रूपाराम बोहरा को कुंवर चैनसिंह ने गद्दारी के कारण मौत के घाट उतार दिया था।

↳ मैडाक ~~को~~ ने कुंवर चैन सिंह को संदेश भेजा और वह सीहोर में न मिलने के कारण बैरासिया में दोबारा शिविर लगाकर मुलाकात की।

↳ मैडाक ने चैन सिंह के समक्ष शर्त रखी की नरसिंहगढ़ रियासत में वह अंग्रेजों के अधीन कार्य करे तथा अफीम की खरीद सिर्फ अंग्रेज सरकार को ही दे नहीं तो वह दोनों मंत्रियों की हत्या में कार्यवाही करेगा।

↳ चैन ने विरोध किया तथा मैडाक पर हमला बोल दिया चैनसिंह तथा उसके दो अंगरक्षक वीरगति को प्राप्त हुए

Scanned with CamScanner

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोकसेवा आयोग

प्रश्न संख्या: 2 F

हाशिए में न लिखे

म०प्र में ताम्रपाषाण युग के अवशेष मालवा क्षेत्र के निम्नलिखित स्थानो पर मिले है-

① नागदा -
↳ उज्जैन के समीप स्थित।

② नावदा टोली -
↳ महेश्वर के समीप
↳ सुनियोजित नगर व्यवस्था के साक्ष्य मिले है।

③ कायथा -
↳ मोटे ~~अवाम~~ और मजबूत मृदभाण्ड पाये गए है।

④ आवरा -
↳ मंदसौर में स्थित, गुप्तकाल तक के साक्ष्य मिले है

⑤ एरण -
↳ सागर में स्थित, कुल्हाड़ी एवं अन्य उपकरण प्राप्त।

⑥ वेसनगर -
↳ विदिशा में स्थित।

उल्लेखनीय है कि ताम्रपाषाणिक स्थलों का संकेन्द्रण मालवा क्षेत्र में दृष्टगत होता है।

Scanned with CamScanner

हाशिए में न लिखें

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोकसेवा आयोग

हाशिए में न लिखें

2 (b)

1923 में ध्वज के प्रति संपूर्ण राष्ट्र की श्रद्धा और निष्ठा की मुखर अभिव्यक्ति हुई ब्रिटिश हुकुमत को भी उसे मान्य करने पर विवश होना पड़ा।

↳ असहयोग आंदोलन हेतु कांग्रेस की समिति जबलपुर आई। हकीम अजमल खां समिति के नेता थे।

↳ जबलपुर कांग्रेस कमिटी ने तय किया, जबलपुर नगरपालिका भवन पर तिरंगा झंडा फहराया जायेगा।

↳ यह सम्मान गोरे डिप्टी कमिश्नर को ब्रिटिश हुकुमत का अपमान लगा।

↳ उसने झण्डा उतरवाया और पैरों से रौंद दिया।

↳ इस कार्यवाही से तीव्र जनाक्रोश फूट पड़ा और आंदोलन ने अखिल भारतीय स्वरूप धारण करलिया।

↳ पं. सुन्दरलाल, नाथूराम मोदी, सुभद्रा कुमारी चौहान आदि स्वयंसेवकों ने झण्डे के साथ जुलूस निकाला परन्तु पुलिस ने नेताओं को गिरफ्तार करलिया।

↳ पं. सुन्दरलाल को छः माह के कारावास की सजा दी गई

↳ इसरे जत्थे जिसमें सीताराम जाधव स्वर्णकार हीरालाल प्रमुख थे, ने टाउन हॉल पर झण्डा फहराया

कांग्रेस ने झण्डा आंदोलन के संचालन का निश्चय किया और नागपुर को इसका केन्द्र बिन्दु बनाया।

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या	मुख्य परीक्षा म.प्र. राज्य लोकसेवा आयोग	हाशिए में न लिखे

2 J

कन्नौज के युद्ध ने हुमायूँ को बिना राज्य का बादशाह बना दिया। वह दर-दर की ठोकरें खाता फिरा। हुमायूँ की असफलता के निम्नलिखित कारण थे -

- तत्कालीन राजनीतिक परिस्थितियों का हुमायूँ के विपरीत होना।
- जनसमर्थन प्राप्त नहीं होना।
- हुमायूँ की राजनीतिक भूलें।
- अवसर का सदुपयोग नहीं करना।
- धन एवं शक्तियों का अपव्यय।
- निश्चित योजना की कमी
- कुशल सेनापति के गुणों का अभाव
- हुमायूँ की चारित्रिक दुर्बलताएँ।
- हुमायूँ के भाइयों एवं अमीरों का विश्वासघात।
- शेरशाह की महत्वकांक्षा एवं सैनिक प्रतिभा।

यद्यपि बाबर ने हुमायूँ के लिए कांटो का ताज छोड़ा था। तथापि उसमें यदि राजनीतिक दूरदर्शिता एवं दृढ़ संकल्प एवं इच्छाशक्ति होती, तो वह आसानी से अपना राज्य नहीं खोता।

Scanned with CamScanner

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोकसेवा आयोग

प्रश्न संख्या: 2 | 18

गौतमीपुत्र शातकर्णी एक महान् और पराक्रमी सम्राट था, जिसने सातवाहन वंश के खोए हुए वैभव एवं शक्ति को पुनः प्राप्त कर उसे नवजीवन प्रदान किया।

↳ सातवाहन वंश का सबसे पराक्रमी तथा शक्तिशाली शासक।

↳ शक, यवन व पहलव राजाओं को पराजित किया

↳ क्षत्रियों का नाश कर अपने वंश की कीर्ति को पुनः स्थापित किया

↳ क्षत्रप नहपान को परास्त कर समूल नष्ट किया।

↳ ब्राह्मण धर्म का प्रबल समर्थक।

↳ साम्राज्य में गुजरात, महाराष्ट्र, सौराष्ट्र, मालवा, बरार, कोंकण इत्यादि प्रदेश सम्मिलित थे। पूर्वी घाट तथा पश्चिमी घाट तक उसका राजनीतिक प्रभुत्व स्थापित किया था।

यद्यपि इतने विशाल साम्राज्य को नियंत्रित रखना उसकी महान उपलब्धि थी।

Scanned with CamScanner

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोकसेवा आयोग

प्रश्न संख्या: 2 L

फ्रांसीसी क्रांति में दार्शनिकों के विचारों और क्रांति के साथ उनके संबंधों से उनके योगदान को समझना होगा।

① मॉण्टेस्क्यू -

↳ द स्पिरिट ऑफ लॉ पुस्तक में राजा के दैवी अधिकारों का खण्डन कर विकल्प भी प्रस्तुत किया।

② वाल्टेयर -

↳ एदिप तथा लेटर्स ऑन दे इंग्लिश पुस्तक में तात्कालिक फ्रांस की बुराईयों एवं कमियों का उल्लेख किया।

③ रूसो -

↳ एमिली तथा सोशल कॉन्ट्रेक्ट पुस्तक के माध्यम से ~~मुनु~~ मनुष्य की स्वतंत्रता की बात की।

④ दांते

↳ व्यक्तिगत स्वतंत्रता एवं सम्पत्ति का समर्थक

उल्लेखनीय है की इन दार्शनिकों के अतिरिक्त दिदरो, मिराबो, क्वेसन ने भी क्रांती में महत्वपूर्ण योगदान दिया था

हाशिए में न लिखे

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोकसेवा आयोग

हाशिए में न लिखे

3 A

1914 ई में प्रारम्भ युद्ध, विश्व युद्ध कहलाता है, भले ही संघर्ष यूरोपीय शक्तियों के मध्य हुआ हो किन्तु एशिया, अफ्रीका में इन देशों के उपनिवेश भी शामिल थे। प्रथम विश्व युद्ध के कारणों को निम्नलिखित बिन्दुओं के अंतर्गत स्पष्ट किया जा सकता है -

① गुप्त संधियाँ

↳ जर्मनी, इटली तथा ऑस्ट्रीय के मध्य गुप्त संधियों के परिणाम स्वरूप यह त्रिराष्ट्र गुट कहलाये।

↳ इंग्लैण्ड, जापान, फ्रांस और रूस के मध्य गुप्त संधियों के कारण यह त्रिराष्ट्र मैत्री संघ कहलाये।

↳ इन गुप्त संधियों के परिणाम स्वरूप यूरोप दो खेमों में बंट गया। ये एक दूसरे के शत्रु थे।

② उपनिवेशवाद

↳ जर्मनी तथा इंग्लैण्ड में उपनिवेश स्थापित करने की प्रतिद्वन्द्विता अपनी चरम सीमा पर थी।

↳ इस दिशा में फ्रांस इटली, रूस इत्यादि देश भी शामिल थे।

↳ उपनिवेशों को लेकर विरोधी गुटों के मध्य संघर्ष की स्थिति उत्पन्न हो गई।

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या	मुख्य परीक्षा म.प्र. राज्य लोकसेवा आयोग	हाशिए में न लिखे

③ सैनिकवाद

↳ इस समय दोनों गुटों में अपनी-अपनी सेना एवं नौसेना बढ़ाने की दौड़ हो रही थी।

④ प्रेस एवं पत्रिकाओं का विकास

↳ युद्ध का एक अन्य कारण यह भी था कि सभी बड़े देशों में समाचार पत्र जनमत को विषाक्त कर रहे थे।

⑤ जनमत की अवहेलना

↳ जनता कभी युद्ध नहीं चाहती थी किन्तु सम्राटों को साम्राज्य एवं रक्त पिपासा की लालसा थी।

⑥ कूटनीति के दाव-पेचों ने भी अंतराष्ट्रीय तनाव को बढ़या था।

⑦ फ्रांस की प्रतिशोध की भावना।

⑧ यूरोपीय देशों में राष्ट्रीयता की भावना का प्रसार

⑨ आर्थिक साम्राज्यवाद

प्रश्न संख्या	मुख्य परीक्षा म.प्र. राज्य लोकसेवा आयोग	हाशिए में न लिखे

(10) अंतर्राष्ट्रीय संगठन का अभाव।

(11) विलियम द्वितीय की अयोग्यता।

(12) जर्मनी द्वारा पर्शियन नीति का अनुसरण करना

(13) बोस्निया और हर्जेगोविना की समस्या

(14) अंतर्राष्ट्रीय संकट

(15) तत्कालीन कारण

↳ 28 जून 1914 को ऑस्ट्रिया के राजकुमार इयूक फर्डिनेण्ड की बोस्निया में हत्या।

यद्यपि फ्रांस और रूस का समझौता, जिसके अनुसार फ्रांस ने ऑस्ट्रिया के विरुद्ध सहायता भेजी तो जर्मनी ने भी युद्ध की घोषणा कर दी। इस प्रकार प्रथम विश्व युद्ध प्रारंभ हो गया।

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोकसेवा आयोग

हाशिए में न लिखे

प्रश्न संख्या

3 B

सिन्धु सभ्यता की गिनती विश्व की प्राचीन सभ्यताओं में की जाती है। सिन्धु सभ्यता के पतन के प्रमुख कारण निम्न ~~सिन्धु~~ बिन्दुओं में इस प्रकार है –

① जलवायु परिवर्तन –

↳ सिन्धु घाटी की क्रांतिकारी जलवायु परिवर्तन और सिन्धु नदी के मार्ग परिवर्तन से यह सभ्यता इस क्रम से समाप्त हो गई।

② पर्यावरण का सूखा होना –

↳ अत्याधिक जंगल की कटाई से आस-पास के जंगल तबाह हो गए तथा भूमी में नमीं की कमीं आ गई।

③ बाढ़ो का प्रकोप –

↳ सिन्धु सभ्यता के विनाश का एक अन्य कारण सिंधु नदी की बाढ़ रही होगी।

↳ मोहनजोदड़ो की खुदाई से पता चला है की यह नगर सात बार बसा और उजड़ा था

④ भूकंप –

↳ किसी शक्तिशाली भूकंप के कारण विनाश हुआ होगा।

प्रश्न संख्या

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या	मुख्य परीक्षा म.प्र. राज्य लोकसेवा आयोग	हाशिए में न लिखे

(5) संक्रामक रोग

↳ मलेरिया तथा अन्य संक्रामक रोग के बड़े पैमाने पर फैलने से पतन हुआ होगा।

(6) प्रशासनिक शिथिलता –

↳ शासन का अपने पदाधिकारियों पर नियंत्रण नहीं रहा होगा। मकान बनाते समय सड़कों एवं नालियों का अतिक्रमण होने लगा होगा।

(7) विदेशी आक्रमण –

↳ आर्यों जैसी शूरवीर एवं बलशाली जाति के निरंतर तथा सुनियोजित आक्रमण से सिन्धु सभ्यता का पतन संभव हुआ होगा।

(8) प्राकृतिक कारण –

↳ समुद्र तटीय भूमि का सतत् ऊपर उठना। हड़प्पा सभ्यता के नगर तट से दूर जाने के परिणामस्वरूप व्यापार टूटने लगा, समृद्धता नष्ट हो गई और लोग आजीविका की तलाश में दूसरे स्थानों पर चले गए।

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या	मुख्य परीक्षा म.प्र. राज्य लोकसेवा आयोग	हाशिए में न लिखे

⑨ नदियों का मार्ग परिवर्तन -

↳ रावी तथा घग्घर एवं उसकी सहायक नदियों का दिशा परिवर्तन के कारण बस्तियों में पीने तथा सिंचाई हेतु जलाभाव हो गया होगा। जो संभवत: पतन का कारण रहा होगा।

⑩ आर्द्रता की कमी -

↳ सरस्वती नदी के सूखने के कारण इस क्षेत्र में रेगिस्तान का प्रसार हुआ और वहां के निवासी दूसरे स्थानों पर चले गए।

उपर्युक्त विवरण से यह स्पष्ट होता है की सिन्धु घाटी सभ्यता के पतन में इन सभी कारणों का योगदान रहा होगा।

हाशिए में न लिखे	प्रश्न संख्या	मुख्य परीक्षा म.प्र. राज्य लोकसेवा आयोग	हाशिए में न लिखे

3 c

औद्योगिक क्रांति सर्वप्रथम इंग्लैंड में हुई। फ्रांस, इंग्लैण्ड की तुलना में अधिक समृद्ध था, फिर भी इस क्रांति का सूत्रपात इंग्लैंड में ही हुआ। निश्चय ही इसके कुछ विशेष कारण थे, जो निम्नलिखित है -

प्राकृतिक कारण -

↳ प्राकृतिक साधनों (लोहा, कोयला) की प्रचुरता

↳ संसार से पृथकता और संसार से निकट संपर्क से विदेशी व्यापार में बहुत सफलता मिली।

↳ जलवायु का समशीतोष्ण तथा स्वास्थ्यप्रद होना ताकि निवासियों को कठिन परिश्रम तथा बौद्धि विकास हेतु पर्याप्त प्रेरणा मिली।

↳ कटा-फटा समुद्री तट से जहाज एवं मत्स्य उद्योग का विकास हुआ तथा सुरक्षित तथा उत्तम बंदरगाहों का निर्माण हुआ।

↳ नाविक अत्यंत कुशल तथा साहसी थे जिससे सामुद्रिक शक्ति सर्वोपरि हो गई।

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोकसेवा आयोग

हाशिए में न लिखे

आर्थिक कारण

↳ आर्थिक विकास हेतु आवश्यक पृष्ठभूमि का पाया जाना।

↳ श्रमिकों का अभाव तथा श्रम संचयक साधनों की आवश्यकता के परिणामस्वरूप यंत्रों, मशीनों तथा नयी-नयी तकनीकियों के आविष्कार को प्रोत्साहन मिला।

↳ इंग्लैण्ड के उपनिवेश विश्व के चारों ओर फैले होने के कारण उसके पास विस्तृत बाजार क्षेत्र का उपलब्ध होना।

↳ यातायात का विकसित होना।

↳ दक्ष ~~सैनिक~~ श्रमिकों की उपलब्धता।

↳ पूँजी का असीमित संचय होना।

↳ बैंकिंग व्यवस्था का विकसित होना।

Scanned with CamScanner

प्रश्न संख्या	मुख्य परीक्षा म.प्र. राज्य लोकसेवा आयोग	हाशिए में न लिखें

राजनीतिक कारण -

- राजनीतिक स्थायित्व एवं शांति का वातावरण
- बाह्य आक्रमण से मुक्ति
- फ्रांस की राज्य क्रांति से अप्रत्यक्ष लाभ होना
- औद्योगिक विकास में राज्य की पर्याप्त रुचि होना।
- दास प्रथा से मुक्ति तथा पूर्ण व्यक्तिक स्वतंत्रता।

सामाजिक तथा धार्मिक वातावरण की अनुकूलता

उपर्युक्त वर्णन से यह स्पष्ट हो जाता है, कि 18वीं शताब्दी के प्रारम्भ में इंग्लैंड में औद्योगिक क्रांति के अनुकूल सभी परिस्थितियाँ उपस्थित थी। इसीलिए वह यूरोप में औद्योगिक क्रांति का प्रणेता बन गया।

Scanned with CamScanner